बरेली, सोमवार
1 जून, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO: IV MIDDLE

अपराध और सत्ता के गठजोड़ को दर्शाता 'सांच'

जागरण संवाददाता, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नाटक 'सांच' का मंचन हुआ। इसमें आज के समाज में बढ़ती संवेदनहीनता, महिलाओं के प्रति अपराध, सत्ता, व्यवस्था के दुरुपयोग और सच बोलने के साहस जैसे गंभीर विषय को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कहानी शुरू होती है ट्रेन में बैठी लड़की सोनिया के साथ, जो नौकरी पेशा है और ट्रेन से ही आना-जाना करती है।

रिद्धिमा में नाटक मंचन करते हुए कलाकार ● सौ. आयोजक

ट्रेन में कुछ गुंडे विक्की, रोहित और नयन चढ़ते हैं और सोनिया को परेशान करते हैं, छेड़ते हैं। उसी ट्रेन में एक लड़का आर्यन उन गुंडों का विरोध करता है। वो तीनों आर्यन के साथ मारपीट कर उसे चलती ट्रेन से फेंक देते हैं, जिससे आर्यन की मृत्यु हो जाती है। तीनों गुंडों में से विक्की स्थानीय विधायक वर्मा का भतीजा है। थाने में इंस्पेक्टर विजय सोनिया के मंगेतर अभिषेक को बुलाता है। धमकी देता है कि सोनिया ने बयान नहीं बदला तो वो सोनिया, उसकी मां और अभिषेक को भी मार देगा। अभिषेक के कहने पर सोनिया बयान बदलने को तैयार हो जाती है, लेकिन एक दिन उसकी अंतरआत्मा को आर्यन का साया दिखता है, वो सोनिया से कहता है कि वो उस दिन नहीं मरा था वो आज मरा है, क्योंकि तुमने जो पुलिस को बयान दिया है बिल्कुल ही उल्टा है। कोर्ट में सोनिया सच बोलती है। तीनों गुंडों को सजा मिलती है। विधायक व इंस्पेक्टर पर मुकदमा चलता है। डा. प्रभाकर गुप्ता और अश्वनी कुमार लिखित नाटक का निर्देशन विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया। नाटक में आशीष, शिवा, हिमांशु, चेष्टा, गौरव, सुबोध, सोनालिका, मनेश, मनोज, आरुषि, अनमोल, दुर्गेश, प्रथम, शिवम, निशांत, विष्णु ने अभिनय किया। इस अवसर पर ट्रस्ट संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डा. आशीष कुमार, डा. रीता शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

रिद्धिमा में नाटक मंचन करते हुए कलाकार ● सौ. आयोजक